W84ZTHP

संकलित परीक्षा - I (2014)

हिन्दी 'अ'

कक्षा - IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड-क
(अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए-** 5

बड़ी-बड़ी इमारतें आने लगीं। यह अदालत है, यह क्लब-घर है। इतने बड़े कालेज में कितने लड़के पढ़ते होंगे। सब लड़के नहीं हैं जी। बड़े-बड़े आदमी हैं, सच। उनकी बड़ी-बड़ी मूँछें हैं, इतने बड़े हो गए, अभी तक पढ़ने जाते हैं। न जाने कब तक पढ़ेंगे और क्या करेंगे इतना पढ़कर ; हामिद के मदरसे में दो-तीन बड़े-बड़े लड़के हैं; बिलकुल तीन कौड़ी के; रोज मार खाते हैं, काम से जी चुराने वाले। इस जगह भी उसी तरह के लोग होंगे; और क्या ? क्लबघर में जादू होता है। सुना है, यहाँ मुरदे की खोपड़ियाँ दौड़ती हैं और बड़े-बड़े तमाशे होते हैं, पर किसी को अन्दर नहीं जाने देते। और यहाँ शाम को साहब लोग खेलते हैं। बड़े-बड़े आदमी खेलते हैं, मूँछों-दाढ़ी वाले और मेंमें भी खेलती हैं, सच। हमारी अम्मा को वह दे दो, क्या नाम है, बैट, तो उसे पकड़ ही न सकें। घुमाते ही लुढ़क न जाएँ।

(1) मदरसे का अर्थ है :

(क) पाठशाला या स्कूल (ख) माँ का घर

(ग) मंदिर (घ) चर्च

(2) क्लबघर में होता है :

(क) नाटक (ख) खोपड़ियाँ दौड़ाने वाला जादू

(ग) पढ़ाई (घ) खेलकूद

(3) उसके मदरसे के दो-तीन बड़े लड़कों के साथ ऐसा व्यवहार होता है, कि उन्हें :

(क) पुरस्कार मिलते हैं (ख) रोज मार पड़ती है

(ग) मुर्गा बनाया जाता है (घ) खड़ा किया जाता है

(4) मूँछों-दाढ़ी वाले लोगों के साथ क्लबघर में और कौन खेलता है?

(क) मनचले लोग (ख) बिना पढ़ी-लिखी महिलाएँ

(ग) मेंमें (घ) नर्तकियाँ

(5) 'मूँछों-दाढ़ी' में समास है :

(क) द्विगु (ख) द्वंद्व

(ग) तत्पुरुष (घ) बहुब्रीहि

2 **प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

स्वतंत्रता और अनुशासन एक दूसरे के विपरीत होते हुए भी एक दूसरे के पूरक हैं। रक्षा प्रणाली का उद्देश्य है स्वतंत्रता का बचाव पर क्या सुरक्षा में स्वतंत्रता है ? क्या सैनिकों को स्वतंत्रता है ? नहीं, वे नियमों में बँधे हैं- यदि उन्हें बायाँ कदम उठाने का आदेश मिले तो वे दाहिना कदम भी नहीं उठा सकते। उनके कदम नपे-तुले होते हैं, वे स्वाभाविक चाल भी नहीं चल सकते। इस रक्षा में बिलकुल भी स्वतंत्रता नहीं है जिनको स्वयं बिलकुल भी आजादी नहीं, वे ही देश की स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं। ऐसे ही पुलिस भी है-वे व्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं। अनुशासन स्वतंत्रता की रक्षा करता है। ये दोनों साथ-साथ चलते हैं। इसे समझो और आगे बढ़ो तुम्हें कुछ नियमों का पालन करना पड़ता है और यही तुम्हें स्वतंत्रता प्रदान करता है। यह तुम पर है कि तुम अपना ध्यान स्वतंत्रता पर देते हो या अनुशासन पर। यही तुम्हें सुखी या दुखी बनाता है।

(क) अनुशासन और स्वतंत्रता एक दूसरे के विपरीत होते हुए भी हैं परस्पर, ...

(i) विपरीत (ii) पूरक

(iii) विपरीत और पूरक (iv) समान

(ख) रक्षा प्रणाली का उद्देश्य है-

(i) परतंत्रता का बचाव। (ii) स्वतंत्रता का बचाव।

(iii) स्वतंत्रता और परतंत्रता का बचाव। (iv) गुलामी पर रोक।

(ग) यदि सैनिकों को बायाँ कदम उठाने का आदेश मिले तो वे,

(i) दाहिना कदम उठा सकते हैं

(ii) दाहिना कदम भी नहीं उठा सकते

(iii) दाहिना कदम कभी-कभी उठा सकते हैं

(iv) दोनों कदम उठा सकते हैं।

(घ) देश की स्वतंत्रता की रक्षा की जिम्मेदारी उन्हें मिली हुई है जिनको -

(i) स्वयं बिल्कुल भी आज़ादी नहीं।

(ii) जिनको आंशिक आज़ादी है।

(iii) जिनको पूर्णत: आज़ादी है।

(iv) जिनको गुलाम बनाकर रखा हुआ है।

(ङ) अनुशासन में किस उपसर्ग का प्रयोग है

(i) अनु (ii) अन (iii) अ (iv) अनू

3 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गये प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प लिखिए।** 5

क्षमाशील हो रिपु-समक्ष
तुम हुए विनत जितना ही,
दुष्ट कौरवों ने तुमको
कायर समझा उतना ही।
अत्याचार सहन करने का, कुफल
यही होता है,
पौरुष का आतंक मनुज
कोमल होकर खोता है।
क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो,
उसको क्या, जो दंतहीन,
विषरहित, विनीत, सरल हो !

(i) शत्रु के सामने क्षमाशील होने का अर्थ होता है, :

(क) ताकतवर होना (ख) विनम्र होना

(ग) दीन-दुखी होना (घ) कायर होना

(ii) 'अत्याचार' सहन करने का कुफल यह होता है कि :

(क) दूसरों पर विश्वास जाता रहता है ।

(ख) आपके पौरुष से कोई डरता नहीं ।

(ग) आत्म विश्वास डिग जाता है ।

(घ) अपनी पहचान मिट जाती है।

(iii) वही क्षमा भी करने का, अधिकारी हो सकता है जो, :

(क) प्यार करता हो।

(ख) दुष्ट हो।

(ग) प्रबल हो।

(घ) विनम्र होने के साथ दुष्ट को ठोकने में समर्थ हो ।

(iv) 'दंतहीन' का आशय है :

(क) बिना दाँत का।

(ख) टूटे दाँतों के साथ।

(ग) सभी दाँतों वाला।

(घ) दुष्टों में भय पैदा करने की शक्ति से रहित।

(v) 'विषरहित विनीत सरल हो' में अलंकार है, :

(क) रूपक (ख) श्लेष

(ग) अनुप्रास (घ) यमक

4 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़िए तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए—** 5

साक्षी है इतिहास हमीं पहले जागे हैं,
जाग्रत सब हो रहे हमारे ही आगे हैं।
शत्रु हमारे कहाँ नहीं भय से भागे हैं ?
कायरता से कहाँ प्राण हमने त्यागे हैं ?
हैं हमीं प्रकंपित कर चुके, सुरपति तक का भी हृदय।
फिर एक बार हे विश्व ! तुम गाओ भारत की विजय।
कहाँ प्रकाशित नहीं रहा है तेज़ हमारा,
दलित कर चुके शत्रु सदा हम पैरों द्वारा।
बतलाओ तुम कौन नहीं जो हमसे हारा,
पर शरणागत हुआ कहाँ कब हमें न प्यारा।
बस युद्ध मात्र को छोड़कर कहाँ नहीं हम हैं सदय
फिर एक बार हे विश्व ! तुम, गाओ भारत की विजय।

(i) पद्यांश के अनुसार इतिहास इस बात का साक्षी है कि —

(क) भारतवासी सबसे पहले सो कर उठते हैं।

(ख) भारतवर्ष में सबसे पहले ज्ञान का प्रकाश फैला था।

(ग) भारतवासी सदा निडर रहे हैं।

(घ) भारतवासी आगे ही बढ़ते रहे हैं।

(ii) भारतवासी जहाँ सदय नहीं होते वह स्थल होता है —

(क) कर्म स्थल (ख) हर स्थल

(ग) धर्म स्थल (घ) युद्ध स्थल

(iii) 'सुरपति' का अर्थ है —

(क) इंद्र देवता (ख) देवता

(ग) ब्रह्मा (घ) शनि देव

(iv) "हैं हमीं प्रकंपित कर चुके, सुरपति तक का भी हृदय" - कथन से भारतीयों की किस विशेषता का पता चलता है ?

(क) वीरता और शौर्य का (ख) दयालुता और क्षमा का

(ग) सहनशीलता और त्याग का (घ) क्षमाशीलता और वीरता का

(v) काव्यांश में कवि विश्व का आह्वान करते हैं, भारत का —

(क) सम्मान करने के लिए (ख) गुणगान करने के लिए

(ग) विजयगान करने के लिए (घ) महागान करने के लिए

खण्ड-ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

5 **निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।** 7

(क) 'वियोग' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'सु' उपसर्ग लगाकर दो शब्द बनाइए।

(ग) 'लड़कपन' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

(घ) 'एरा' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

(ङ) **निम्नलिखित विग्रह पदों से समस्त पद बनाकर समास का नाम भी लिखिए।**

(I) रात ही रात में (II) चार पैरों का समाहार (III) राजा का पुत्र

6 **(i) अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों की पहचान के उनके भेद लिखिए।** 4

(क) मैं कल दिल्ली गया था।

(ख) राम आज नहीं आयेगा।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

(क) मज़दूरों ने काम कर लिया है। (प्रश्नवाचक)

(ख) हमने सारा सामान ठीक से रख दिया। (निषेधवाचक)

7 **निम्नलिखित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों को पहचान कर उनके नाम लिखिए —** 4

(क) रती-रती शोभा सब रती के शरीर की।

(ख) आए महंत बसंत।

(ग) यह देखिए अरविंद-से शिशुवृंद कैसे रो रहे।

(घ) यह ज़िंदगी क्या ज़िंदगी जो सिर्फ पानी-सी बही।

खण्ड-ग

(पाठ्य-पुस्तक)

8 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** (1+2+2) 5

सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाय अथाह सागर बनकर उभरे थे। जो लोग उनके भ्रमणशील स्वभाव और उनकी यायावरी से परिचित हैं, उन्हें महसूस होता है कि वो आज भी पक्षियों की सुराग में ही निकले हैं और बस अभी गले में लम्बी दूरबीन लटकाए अपने खोजपूर्ण नतीजों के साथ लौट आएँगे। जब तक वो नहीं लौटते, क्या उन्हें गया हुआ मान लिया जाए?

(क) सालिम अली कौन थे ?

(ख) सालिम अली की आँखों पर क्या चढ़ा रहता था ? उसका उपयोग वे किस लिए करते थे ?

(ग) सालिम अली के स्वभाव की कुल चार विशेषताएँ लिखिए।

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

9(i) दूसरे देश की संस्कृति को स्वीकार करते समय हमें किस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए। 2

(ii) तिब्बत में पहाड़ के किस सर्वोच्च स्थान को किससे और क्यों सजाया जाता था ? 2

(iii) 'दो बैलों की कथा' पाठ में प्रेमचन्द ने किन नैतिक मूल्यों का उल्लेख किया है ? 2

(iv) सालिम अली पक्षियों की खोज कैसे करते थे ? 2

(v) हीरा और मोती की दोस्ती का किन घटनाओं से पता चलता था ? 2

10 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2+2+1)** 5

बालू के साँपों से अंकित
गंगा की सतरंगी रेती
सुंदर लगती सरपत छाई
तट पर तरबूजों की खेती,
अँगुली की कंधी से बगुले
कलँगी सँवारते हैं कोई,
तिरते जल में सुरखाब, पुलिन पर

मगरौठी रहती सोई।

(i) बालू और तरबूज़ की खेती कवि को कैसी लगती है ?

(ii) 'साँपों से अंकित पंक्ति' से कवि का क्या अभिप्राय है ?

(iii) 'पुलिन' और 'सुरखाब' का क्या अर्थ है ?

निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-

11(i) ''कैदी और कोकिला'' कविता के आधार पर लिखिए कवि ने जेल को कैसा स्थान बताया है? उसमें उन्हें कैसा अनुभव हो रहा होगा? 2

(ii) ''गुंज की माल गरें पहिरौंगी'' का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि यह किसकी अभिलाषा है और क्यों? 2

(iii) ''मरकत डिब्बे सा खुला ग्राम जिस पर नीलम नभ- आच्छादन'' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। 2

(iv) कबीरदास ने संसार को किसके समान बताया है? उसके 'भूँकने' में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए। 2

(v) कवयित्री के मन में कहाँ जाने की ललक है और इस चाह में उनकी कैसी दशा हो रही है? 2

12 लेखिका मृदुला गर्ग किस स्वतंत्रता दिवस के समारोह का आनंद लेने उसमें सम्मिलित नहीं हो सकी थीं और क्यों? उस दिन वे क्या करती रहीं? इस प्रसंग से आप क्या प्रेरणा ग्रहण करते हैं? 5

खण्ड-घ

(लेखन)

दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए-

13(i) **वर्तमान शिक्षा प्रणाली** 10

(i) प्रस्तावना

(ii) परतंत्रता कालीन शिक्षा प्रणाली का प्रभाव

(iii) राष्ट्रीय लक्ष्यों की ओर अग्रसर

(iv) सुदृढ़ लक्ष्य-प्राप्ति शेष

(v) उपसंहार

(ii) **राष्ट्रीय एकता** 10

- भूमिका
- विभिन्नताओं का देश
- एकता आवश्यक
- हमारा कर्तव्य
- उपसंहार

(iii) **भिक्षावृत्ति की समस्या** 10

(i) प्रस्तावना

(ii) समस्या क्यों ?

(iii) समाज का दायित्व

(iv) समाधान के उपाय

(v) उपसंहार

14 आपके शहर/गाँव में डेंगू के प्रकोप से कई बच्चे तथा बड़े-बूढ़े बीमार पड़े हैं। उनके लिए स्थानीय अस्पताल में सुविधाओं का नितांत-अभाव है। रोगियों के अच्छे उपचार के लिए सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु जिले के वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए। 5

15 आपके विद्यालय में हर मास खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होता है। विद्यालय के क्रीड़ा-सचिव के नाते विगत मास में आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए। 5